वयस्कों तथा बच्चों में होने वाले नेत्र दोषों की जानकारी पर आधारित फ्लिपबुक

वयस्कों तथा बच्चों में होने वाले नेत्र दोषों की जानकारी पर आधारित फ्लिपबुक

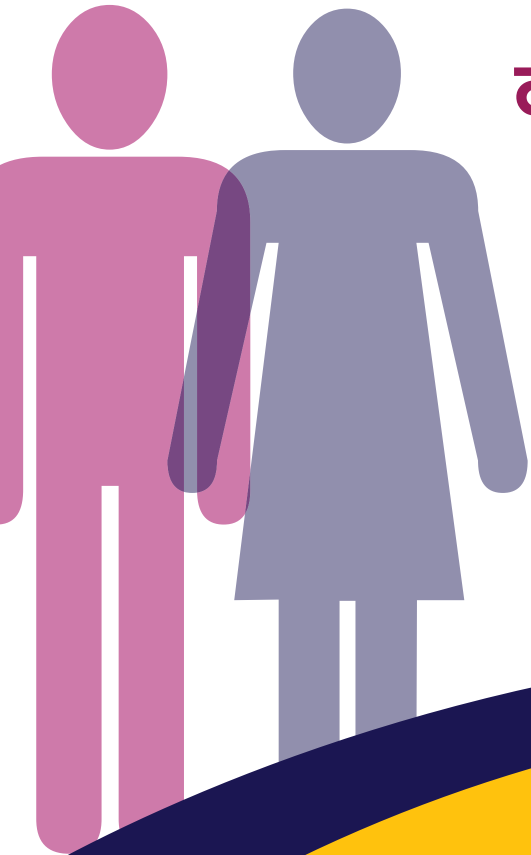

वयस्कों तथा बच्चों में होने वाले नेत्र दोषों की जानकारी पर आधारित फ्लिपबुक

Sightsavers

व्यस्कों में होने वाली आंखों की समस्याएं

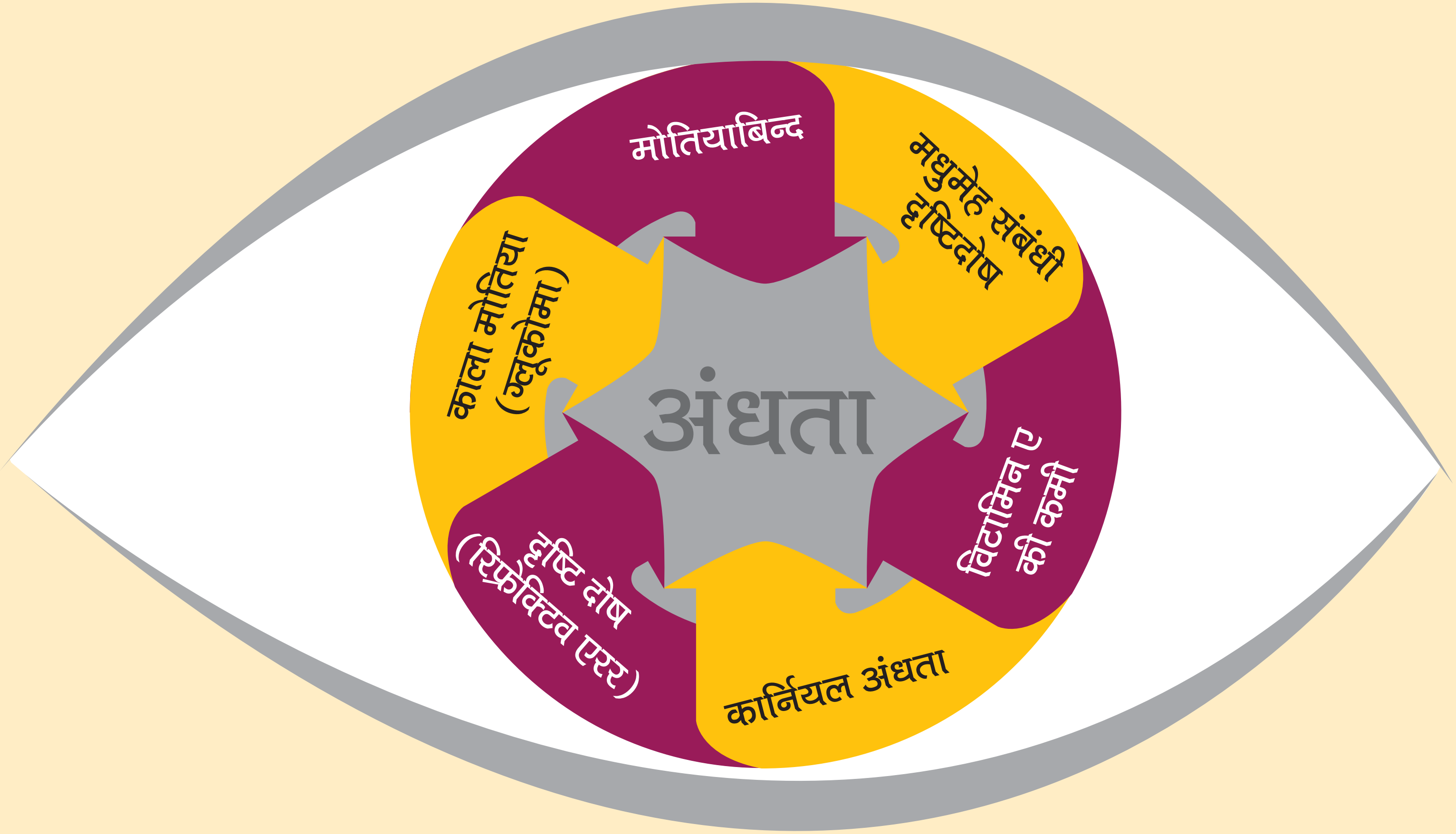

ऑपरेशन से पहले

ऑपरेशन के बाद

मोतियाबिन्द

समय पर अंधता को बचाए जा सकने वाले कारकों में मोतिया बिन्द प्रमुख है।

इसमें बढ़ती उम्र के साथ मुख्यतः आंखों का लेंस प्रभावित होता है। समय रहते इलाज ना करवाने पर मोतिया बिन्द वाले व्यक्ति को अंधता हो सकती है।

मोतिया बिन्द के लक्षणः

- दृष्टि में धीरे–धीरे कमी आती है।
- नेत्र की पुतली धुंधली हो जाती है।
- मोतियाबिन्द से आंखों में दर्द नहीं होता।
- तेज रोशनी बहुत अधिक चमकती है।
- सामान्यतः दोनों आंखें प्रभावित होती है किन्तु कभी–कभी ऐसा नहीं भी होता।

मोतिया बिन्द का उपचारः

- इसका इलाज केवल ऑपरेशन ही है।
- इसका ऑपरेशन सुरक्षित है और बहुत कम समय में हो जाता है।
- मरीज को बेहोश नहीं किया जाता और 2–4 घण्टों में ही उसको घर भेज दिया जाता है।
- मोतिया बिन्द के पकने का इंतजार नहीं करना चाहिए।
- यह ऑपरेशन किसी भी मौसम में करवाया जा सकता है।

ऑपरेशन के बाद की देखभाल

- ऑपरेशन के बाद डॉक्टर की सलाह के अनुसार आई ड्रॉप डालें।
- आंखों को तेज रोशनी, धूल–मिट्टी, धूंए एवं झटकों से बचाएं काले चस्मे का इस्तेमाल करें।
- आंखों को छूने अथवा साफ करने से पहले हाथों को साबुन एवं पानी से अच्छी तरह धोएं।
- ऑपरेशन के बाद एक सप्ताह तक चहरा न धोएं। पानी में उबाल कर, ठंडा करने के बाद साफ रुई से आंखों व चहरे को साफ करें।
- ऑपरेशन के बाद कम से कम, एक सप्ताह तक सिर अथवा बालों को नहीं धोएं आंखों को दबाना या मलना नहीं चाहिए।
- अगर आंखों में लाली, दर्द या दिखाई देने में कमी आ गई हो तो तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करें।
- डॉक्टर की सलाह अनुसार फॉलो–अप जांच अवस्य करवाएं।

मोतियाबिन्द

ऑपरेशन से पहले

ऑपरेशन के बाद

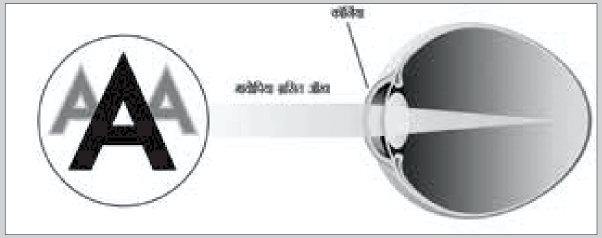

दृष्टि दोष

मायोपिया या दूर दृष्टि दोषः इसके दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देती है।

मायोपिया हर उम्र के व्यक्ति में हो सकता है लेकिन सामान्यतः स्कूल जा रहे बच्चों में ज्यादा पाया जाता है। इस दोष को नेत्र विशेषज्ञ द्वारा आंखों की जांच के पश्चात् तथा उनके द्वारा निर्धारित चश्मा पहनकर ठीक किया जा सकता है।